

आलोक कुमार जैन,
राजिया
उत्तरांचल शारान ।

रोकार्मे

1-रामरत्न प्रभुख राधिय/राधिय,
उत्तरांचल शारान ।

2-रामरत्न मण्डलायुपर्त/जिलाधिकारी,
उत्तरांचल ।

3-रामरत्न विभागाध्यक्ष एवं कार्यालयाध्यक्ष,
उत्तरांचल ।

कार्गिका विभाग-2

दैहरातून: दिनांक: 10, सितम्बर, 2002

रुक्ष्युष्मा

विषय: उत्तरांचल राज्य के नागरिकों को आरक्षण की अनुगम्यता

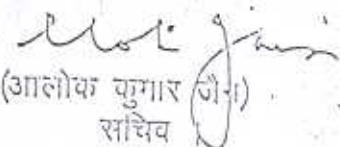
महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह पहने का निदेश हुआ है कि उत्तरांचल राज्य के गठन के पालनवरुप राज्याधीन रोकार्मे में सीधी भर्ती के प्रक्रम पर अनुसूचित जाति/अनुरूपित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण अनुगम्य विद्या गया है।

2- राज्याधीन रोकार्मे और पदों में सीधी भर्ती के प्रक्रम पर नागरिकों के अन्य पिछड़े वर्गों के गागरों में अनुगम्य आरक्षण केवल उत्तरांचल प्रदेश के निवासी उन जातियों के व्यक्तियों परी ही अनुगम्य होगा, जो इस निमित्त उत्तरांचल शासन प्रारा जारी थी गयी अनुरूपी में सम्मिलित हों।

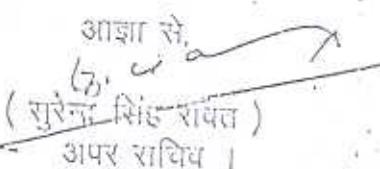
3- उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 वी धारा 24 एवं 25 द्वारा कगश: राजियान (अनुरूपित जातियां) आदेश, 1950 तथा संविधान-अनुसूचित जनजातियों आदेश, 1950 को उक्ता अधिनियम की पांचवीं एवं छठी अनुरूपी में यथा निर्देशित संशोधित वर्जन दिया गया है। तदनुसार उत्तरांचल राज्य की अनुरूपित जाति एवं अनुसूचित जनजाति पुनर्गठन अधिनियम की पांचवीं एवं छठी अनुरूपी में पृथक से चिह्नित हो चुकी हैं। अतः उत्तरांचल राज्य के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश तथा अन्य किसी राज्य का कोई व्यवित्त उत्तरांचल की राज्याधीन सेवाओं में अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के लिए अनुगम्य आरक्षण का लाग नहीं पा सकेगा।

भवदीय,


(आलोक कुमार जैन)
संचिव

संख्या: 254/कार्गिका-2/2002, दादृदिगंक ।

प्रतिलिपि राजियालय के रामरत्न अनुगम्य ।

आज्ञा से,

(सुरेन्द्र सिंह राथौर)
अपर राधिय ।